समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

Spotify की सख्ती : AI के ज़रिए कलाकारों की नक़ल और स्पैम ट्रैक्स पर लगेगा लगाम

Sanket Morankar

Published on 26 Sep 2025

दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म **Spotify** ने एक बड़ा कदम उठाते हुए कहा है कि वह अब **AI के ज़रिए कलाकारों की आवाज़ की नक़ल (Impersonation)** और **स्पैमी ट्रैक्स** के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। इस नई नीति के तहत ऐसे गाने जो कलाकार की मर्ज़ी के बिना उनकी शैली या आवाज़ की नक़ल करते हैं, या ऐसे ट्रैक्स जो सिस्टम को धोखा देकर ज़्यादा रॉयल्टी कमाने के लिए अपलोड किए जाते हैं, उन्हें प्लेटफॉर्म से हटाया जाएगा।

Spotify ने स्पष्ट किया है कि वह **Generative AI तकनीक** का विरोध नहीं कर रहा है। बल्कि वह उन "**bad actors**" के खिलाफ सख्ती करेगा जो इस तकनीक का दुरुपयोग कर रहे हैं — जैसे कलाकारों की पहचान चुराना, नकली म्यूजिक बनाकर उसे असली कलाकार के नाम से पेश करना, और रॉयल्टी सिस्टम को चकमा देना।

Generative AI अब ऐसी तकनीक बन गई है जो इंसानों की आवाज़, संगीत की शैली और यहां तक कि पूरे गानों की संरचना को हूबहू कॉपी कर सकती है। इससे उन कलाकारों की पहचान और कमाई पर सीधा असर पड़ता है, जिनकी आवाज़ या स्टाइल की नक़ल की जाती है।

Spotify के अनुसार, कई **AI-जनरेटेड ट्रैक्स**, मशहूर गायकों और रैपर्स की नकली आवाज़ों में तैयार किए जा रहे हैं और उन्हें असली समझकर लोग सुन भी रहे हैं। इससे वास्तविक कलाकारों को न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि उनकी प्रतिष्ठा और अधिकारों का उल्लंघन भी हो रहा है।

Spotify ने यह भी बताया कि उसने **पिछले एक साल मे 75 मिलियन से अधिक स्पैम ट्रैक्स** को अपने प्लेटफॉर्म से हटाया है। ये ट्रैक्स अधिकतर अल्गोरिद्म को चकमा देने के लिए बनाए जाते हैं, ताकि ज़्यादा स्ट्रीम्स मिल सकें और फर्जी रॉयल्टी अर्जित की जा सके।

इनमें शामिल हैं:

- बहुत छोटे गाने (30 सेकंड के करीब),

- बार-बार दोहराए गए डुप्लिकेट ट्रैक्स,
- गलत टैगिंग और मेटाडेटा,
- SEO-हैक आधारित नाम और टाइटल,
- प्ले-लिस्ट बूस्टिंग के लिए बनाए गए ट्रैक्स।

Spotify ने अपनी नई नीति में कई बदलावों की घोषणा की है:

1. **AI Impersonation पर रोक**:
   अब कलाकार की **स्वीकृति के बिना** उनकी आवाज़ या शैली की नकल करने वाले AI ट्रैक्स की अनुमति नहीं होगी। यदि कोई ऐसा ट्रैक पाया गया, तो वह हटाया जाएगा।
2. **AI Usage Disclosure**:
   हर म्यूजिक क्रिएटर को यह बताना होगा कि उनके गाने में कहां और कितना AI का उपयोग हुआ है — जैसे कि आवाज़, इंस्ट्रूमेंटल या पोस्ट-प्रोडक्शन में।
3. **स्पैम फिल्टर सिस्टम**:
   एक नया ऑटोमैटिक सिस्टम लागू किया जाएगा जो AI आधारित और स्पैम माने जाने वाले ट्रैक्स को तुरंत पहचान कर प्लेटफॉर्म से बाहर करेगा।
4. **DDEX Metadata Framework**:
   एक मानक डेटा मॉडल अपनाया जाएगा जिससे गानों की जानकारी पारदर्शी रूप से साझा की जा सके।
5. **रॉयल्टी सिस्टम की सफाई**:
   नए बदलावों का उद्देश्य कलाकारों की रॉयल्टी को सुरक्षित रखना है, ताकि केवल वैध कंटेंट क्रिएटर्स ही उस पूल से कमाई कर सकें।

Spotify के VP of Creator Product, **Charlie Hellman** ने कहा:

> “हमारा लक्ष्य है कि हम कलाकारों और श्रोताओं दोनों के लिए एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म बनाए रखें। AI एक क्रिएटिव टूल हो सकता है, लेकिन जब इसका दुरुपयोग होता है, तो हमें हस्तक्षेप करना ज़रूरी हो जाता है।”

उन्होंने आगे यह भी जोड़ा कि प्लेटफॉर्म पर अपलोड होने वाला हर ट्रैक अब और ज़्यादा जांच-पड़ताल से गुजरेगा, खासकर तब जब उसमें AI तकनीक के उपयोग का संदेह हो।

जी हां, पिछले कुछ महीनों में कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गायकों और संगीत निर्माताओं ने Spotify और अन्य प्लेटफॉर्म्स से शिकायत की थी कि उनकी **आवाज़ की नकल करके** गाने अपलोड किए जा रहे हैं, जिनसे श्रोताओं को भ्रम हो रहा है और उनकी **कमाई पर असर** पड़ रहा है।

कुछ मामलों में, असली कलाकारों की **प्रोफ़ाइल पर नकली ट्रैक्स** अपलोड हो गए, जिसे बाद में हटाना पड़ा।

Spotify ने साफ कहा है कि वह **AI आधारित संगीत** पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाएगा। यदि कोई कलाकार अपनी मर्ज़ी से AI टूल्स का उपयोग करता है और सभी नियमों का पालन करता है, तो वह गाना प्लेटफॉर्म पर बना रहेगा।

लक्ष्य है **दुर्भावनापूर्ण उपयोग** को रोकना, न कि नवाचार और रचनात्मकता को।

Spotify का यह फैसला म्यूजिक इंडस्ट्री के लिए एक **एतिहासिक कदम** माना जा रहा है। जैसे-जैसे AI तकनीक आगे बढ़ रही है, प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी भी उतनी ही बढ़ गई है कि वे इस तकनीक का **सही उपयोग सुनिश्चित करे**, और **कलाकारों के**

अधिकारों और रॉयल्टी की रक्षा करे।

Spotify की यह नीति उम्मीद जगाती है कि भविष्य में कलाकार और तकनीक **साथ मिलकर** संगीत की दुनिया को और भी समृद्ध बनाएंगे — लेकिन बिना किसी की पहचान या कमाई को नुकसान पहुंचाए।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.